आज की मुरली का सहज सार ----- Date: 18-06-2014

बाबा ने आज मालियों (सेन्टर इनचार्ज) को बार-बार सावधान करते हुए कहा कि उन्हें जो बच्चे फुल बने हैं यानी जो बच्चे भगवान कि श्रीमत् पर चल कर, विकारों पर जीत पाने का अच्छा स्व-पुरूषार्थ कर रहे हैं, उनको ही बाप (भगवान) के सामने लाना हैं. बाबा ने कहा जो बच्चे अच्छे खुशबू देने वाले फुल बने हैं, और जो मालिक अनेक को कांटों से फूल बनाने की सर्विस करते हैं, उन्हें देख-देख बाबा खुश होते हैं.

भक्ति में हम जब मंदिर में जाते हैं तो हमारे मन में रहता हैं की भगवान के दरबार में जा रहे हैं. भक्त भी मंदिर में कभी बीभत्स बातें या गंदी वृति रख कर भगवान के दर्शन के लिए नहीं जायेंगे. यहॉ तो स्वयं परमपिता-परमात्मा शिवबाबा साक्षात विराजमान हैं तो उन्हें मिलने के लिए हमें कैसे बनकर जाना चाहिए, ये तो हम सब समझ सकते हैं.

बाबा (भगवान) को मिलने जाने से पहले हमें स्वयं में दो बातें जरूर चेक करनी हैं.

1. हमारा बाबा में संपूर्ण निश्चय हों. बाबा में हमारा पूरा निश्चय तब कहा जाता जब बाबा को हमने जाना, माना और अपना बनाया. बाबा को जानना माना सबसे पहले राजयोग के क्लास में परमात्मा की हमें पहचान दी जाती हैं. (भगवान का इन्ट्रोडकसन दिया जाता हैं.)

बाद में जब हम बाबा की साकार मुरलियाँ सुनते हैं तो भक्ति मार्ग में हम जो भी गति-विधियां करते हैं, त्योहार मनाते हैं, प्रार्थनाएं करते हैं उसका सत्य रहस्य (राज) बाबा हमें बताते हैं और हमारा निश्चय बाबा में और पक्का होता जाता हैं.

हमें लगता हैं कि ये ज्ञान भगवान के सिवाय और कोई नहीं सुना सकता. यानी बाबा को हमने माना की यही भगवान हैं.

बाबा के ज्ञान से हमारा तीसरा नेत्र खुल जाता हैं यानी हमारी बुद्धि दिव्य बन जाती हैं. हमारे जीवन में परिवर्तन आने लगता हैं. अच्छे-बुरे की सही पहचान मिलती हैं. आत्मा शक्तिओं और गुणों से भरपूर हो जाती हैं. शक्तिशाली आत्मा को बाबा की श्रीमत् पालन करना सहज लगता हैं या सब धारणाये सहज हो जाती हैं. अब हमारी आत्मा गाती हैं - जो पाना था वह पा लिया, बाकी अब क्या रहा. इसको कहते हैं बाबा को हमने अपना बनाया.

2. बाबा के ज्ञान में सबसे पहली धारणा हैं -- पवित्रता की. पवित्रता धारण करने के लिये वृति को पावन बनाना हैं. पावन वृति ही दृष्टि को शुद्ध करती हैं. पावन वृति और शुद्ध दृष्टि वाली आत्मा की कृति पवित्र हो जाती हैं. वृति को पावन बनाने के लिए, मन मेसे विकारी इच्छाये या कामनाये समाप्त कर देनी ही हैं. चेक करना हैं कि हमारी दृष्टि किसी पर भी ठहरती तो नहीं हैं.

बाबा को मिलने जाने से पहले, एक साल के लिए संपूर्ण पवित्रता की धारणा रखना जरूरी हैं.

ॐ शांति.

Pls. provide your feedback to Atma Bhai on email – a.brahmin.soul@gmail.com

www.omshanti.com